Roll No. ……..

BAKK–102

नित्यकर्म, देवपूजन एवं कर्मकाण्ड का वैज्ञानिक स्वरूप

कला में स्नातक (बी. ए.–12 / 16) कर्मकाण्ड

प्रथम वर्ष, परीक्षा, 2017

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 70

नोट : यह प्रश्न पत्र सत्तर (70) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख', तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. संस्कारों की वैज्ञानिकता से आप क्या समझते हैं ? अपने शब्दों में लिखिये।
2. गणेश जी की आरती एवं स्तुति का लेखन कीजिये।
3. महामृत्युञ्जय जप का विधान एवं महत्ता को लिखिये।
4. सन्तान गोपाल मन्त्र की उपादेयता का निरूपण कीजिये।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच (05) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल छः (06) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. सत्यनारायण व्रत कथा के महत्त्व पर प्रकाश डालिये।
2. उपनयन की वैज्ञानिकता को अपने शब्दों मे लिखिये।
3. लक्ष्मी जी की आरती का लेखन कीजिये।
4. षोडशोपचार विधि को व्यवस्थित क्रम में लिखिये।
5. व्रतों को वैशिष्ट्यता को समझाते हुए लिखिये।
6. गीता के पन्द्रहवें अध्याय का सारतत्व निरूपित कीजिये।
7. सप्तघृतमातृका की स्वरूप विधि लिखिये।
8. श्री महालक्ष्मी पूजन का वैशिष्ट्य प्रतिपाद्य कीजिये।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. गीता का पन्द्रहवाँ अध्याय है :
   (क) ज्ञानविज्ञान योग
   (ख) सांख्य योग
   (ग) कर्म सन्यास योग
   (घ) पुरुषोत्तम योग

2. आचमन होता है :

(क) पाँच बार (ख) तीन बार

(ग) दो बार (घ) एक बार

3. वर्णाश्रम हैं :

(क) चार (ख) छः

(ग) पाँच (घ) तीन

4. ज्योतिषशास्त्र के अनुसार ग्रहों की संख्या है :

(क) नौ (ख) ग्यारह

(ग) दस (घ) सात

5. अधोलिखित का व्यवस्थित मिलान करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिये :

(अ) दुग्ध	(i) मधुव्वाता०
(ब) घृत	(ii) अमाथ्रस०
(स) मधु	(iii) दधिक्राणो०
(द) शर्करा	(iv) पयः पृथिव्यां०
(इ) दही	(v) घृतग्मिक्षे०

	अ	ब	स	द	इ
(क)	(i)	(iv)	(v)	(iii)	(ii)
(ख)	(iii)	(ii)	(v)	(i)	(iv)
(ग)	(ii)	(iii)	(v)	(iv)	(i)
(घ)	(iv)	(v)	(i)	(ii)	(iii)

6. 'सावर्णि सूर्य तनयोः' निम्नलिखित में से किसका मन्त्र है ?

(क) गीता (ख) दुर्गासप्तशती

(ग) महाभारत (घ) रामायण

7. 'यदा यदा हि धर्मस्य .....' उक्ति है।

(क) विष्णु की (ख) कृष्ण की

(ग) अर्जुन की (घ) श्रीराम की

8. आवाहन के पश्चात् कौन-सा उपचार होता है ?

(क) मिष्ठान (ख) अर्घ्य

(ग) पाद्य (घ) आसन

9. अधोलिखित में कौन सही नहीं है ?

(क) ब्रह्मचर्य-1-25 (ख) गृहस्थ-25-50

(ग) वानप्रस्थ-25-75 (घ) संन्यास-75-100

10. पञ्चामृत नहीं है :

(क) दुग्ध (ख) नीर

(ग) दधि (घ) घृत